NEXT IAS

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 4-11-2024

विषय सूची

शहरीकरण और संबंधित चुनौतियाँ

स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए नवीन विचारों को बढ़ावा देने हेतु नई योजना

भारत की अद्यतन राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति और कार्य योजना (NBSAP)

संक्षिप्त समाचार

बाल्फोर घोषणा

निंगोल चाक्कौबा

डिजिटल इंडिया कॉमन सर्विस सेंटर (DICSC) परियोजना

तपेदिक के विरुद्ध लड़ाई में भारत की प्रगति

आयरन बीम

लाइका: पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला पहला जीवित प्राणी

बोत्सवाना

बिबेक देबरॉय

शहरीकरण और संबंधित चुनौतियाँ

सन्दर्भ

- 31 अक्टूबर को प्रत्येक वर्ष विश्व शहर दिवस के रूप में मनाया जाता है।

परिचय

- विश्व की शहरी जनसँख्या अनुमानतः 4.7 बिलियन या विश्व की कुल जनसँख्या का 57.5% तक पहुँच गई है, जिसके 2050 तक दोगुना होने का अनुमान है।
- इस वर्ष के विश्व शहर दिवस का विषय है 'युवा जलवायु परिवर्तनकर्ता: शहरी स्थिरता के लिए स्थानीय कार्रवाई को उत्प्रेरित करना'।

भारत में शहरीकरण

- पश्चिमी देशों में औद्योगीकरण के बाद शहरीकरण हुआ, जिससे रोजगार के अवसर सृजित हुए और ग्रामीण श्रम को अवशोषित किया गया।
  - उपनिवेशों से बड़े पैमाने पर आर्थिक हस्तांतरण के कारण भी उनका शहरीकरण बना रहा।
- इसके विपरीत, भारत का शहरीकरण मुख्य रूप से आर्थिक संकट से प्रेरित है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी से प्रेरित शहरीकरण हुआ है, जिसमें ग्रामीण से शहरी और शहरी से शहरी दोनों तरह का प्रवास हुआ है।
  - कोविड-19 महामारी के दौरान, शहरी नियोजन पर दबाव स्पष्ट हो गया, क्योंकि रिवर्स प्रवास के रुझानों ने बुनियादी ढांचे में अंतराल को प्रकट किया।
  - 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की शहरी जनसँख्या 2001 में 27.7% से बढ़कर 2011 में 31.1% हो गई, जो प्रति वर्ष 2.76% की दर से है।
- विश्व बैंक के अनुमान बताते हैं कि भारत की लगभग 40% जनसँख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है, लगभग 9,000 वैधानिक और जनगणना शहरों में।
  - भारत इस शहरी परिवर्तन को कितनी अच्छी तरह से प्रबंधित करता है, यह स्वतंत्रता के 100वें वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत में शहरी चुनौतियाँ:

- **पुरानी योजनाएँ:** स्थानिक और लौकिक योजनाएँ प्रायः पुरानी हो जाती हैं और जनसंख्या वृद्धि को समायोजित करने में विफल हो जाती हैं।
- **अतिव्यस्त अनियोजित क्षेत्र:** 1980 के दशक से, विऔद्योगीकरण के कारण अहमदाबाद, दिल्ली, सूरत और मुंबई जैसे शहरों में रोजगार समाप्त हो गए हैं।
  - इस प्रवृत्ति से विस्थापित कई श्रमिक अर्ध शहरी क्षेत्रों में चले गए, जहाँ वे भीड़भाड़ वाली परिस्थितियों में रहते हैं।
  - वर्तमान में, भारत की 40% शहरी जनसँख्या झुग्गियों में रहती है।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन भारतीय शहरों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

  - शहरों को गंभीर प्रदूषण का सामना करना पड़ता है और वे तेजी से शहरी बाढ़ और हीट आइलैंड प्रभावों के अधीन होते जा रहे हैं।
- **विकास में असमानता:** असमानता बढ़ रही है, जिसमें विशेष विकास धनी लोगों के लिए है जबकि लाखों लोगों के पास बुनियादी आवास नहीं है।
- **अपशिष्ट प्रबंधन:** तेजी से शहरीकरण के कारण अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि हुई है, और कई शहर प्रभावी अपशिष्ट संग्रह और निपटान के साथ संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण का क्षरण होता है।
- **परिवहन और यातायात भीड़:** अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन प्रणाली, निजी वाहन स्वामित्व में वृद्धि के साथ मिलकर गंभीर यातायात भीड़ और प्रदूषण में योगदान करते हैं।

शहरीकरण की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची के अनुसार, शहरी नियोजन राज्य का विषय है।
  - भारत सरकार राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है।
  - राज्य नगर नियोजन विभाग और शहरी विकास प्राधिकरण शहर तथा राज्य स्तर पर शहरी एंकर के रूप में कार्य करते हैं।
- **स्मार्ट सिटीज मिशन:** 2015 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य बेहतर बुनियादी ढांचे, परिवहन और सेवाओं के लिए स्मार्ट तकनीक का उपयोग करके सतत एवं समावेशी शहरों को बढ़ावा देना है।
- **अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (AMRUT):** यह मिशन शहरों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए जल आपूर्ति, सीवरेज और शहरी परिवहन जैसी बुनियादी सेवाओं को सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, विशेषकर शहरी गरीबों के लिए।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY):** इस आवास योजना का उद्देश्य शहरी गरीबों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है।
- **स्वच्छ भारत मिशन (शहरी):** 2014 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देना है।
- **नीति आयोग:** शहरीकरण प्रबंधन (MU) प्रभाग भारत के शहरीकरण को प्रबंधनीय, आर्थिक रूप से उत्पादक, पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त और न्यायसंगत बनाने के लिए डेटा-आधारित नीति इनपुट प्रदान करता है।
- यह शहरी नियोजन, विकास और प्रबंधन में शामिल प्रमुख हितधारकों को सलाह और नीति मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- PM स्वनिधि योजना सड़क विक्रेताओं को किफायती ऋण प्रदान करने के लिए मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक विशेष माइक्रो-क्रेडिट सुविधा है।

Source: PIB

स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए नवीन विचारों को बढ़ावा देने हेतु नई योजना

समाचार में

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने भारतीय वैज्ञानिकों को जटिल स्वास्थ्य मुद्दों के लिए नवीन समाधान सुझाने हेतु प्रोत्साहित करने हेतु "विश्व में प्रथम चुनौती" की शुरुआत की।

योजना के बारे में

- यह योजना जैव चिकित्सा क्षेत्रों में वैश्विक प्रभाव वाले नवाचारों के लिए साहसिक, नए विचारों की खोज करती है, जिसमें नए टीके, दवाएं, निदान और अन्य स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।
- **मानदंड:** केवल अद्वितीय, अभूतपूर्व अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों के प्रस्तावों को ही वित्त पोषित किया जाएगा।
    - वृद्धिशील सुधार या मामूली प्रक्रिया नवाचारों के उद्देश्य से प्रस्ताव अयोग्य हैं।
- **उच्च जोखिम, उच्च पुरस्कार:** यह पहल उच्च जोखिम, उच्च पुरस्कार दृष्टिकोण को अपनाती है, जिसका लक्ष्य अग्रणी सफलताओं को प्राप्त करना है, चाहे कुछ परियोजनाएं सफल न हों।
- **पात्रता:** प्रस्ताव एकल या एकाधिक संस्थानों से व्यक्तियों या टीमों द्वारा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- **चयन समिति:** प्रसिद्ध विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों, नीति निर्माताओं और जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों से युक्त एक चयन पैनल प्रस्तावों की समीक्षा करेगा।

राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (NMR) मुद्दे

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) द्वारा बनाए रखा गया और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थापित NMR भारत में सभी लाइसेंस प्राप्त एलोपैथिक डॉक्टरों का एक केंद्रीकृत, गतिशील डेटाबेस है।
- **वर्तमान समस्या:** डॉक्टरों को आधार और राज्य चिकित्सा बोर्ड के विवरण में विसंगतियों, जैसे नाम की वर्तनी में विसंगतियों के कारण पंजीकरण में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- **प्रमाणीकरण और देरी:** NMR सत्यापन के लिए आधार का उपयोग करता है, जिसके लिए डॉक्टरों को पहचान सत्यापित करने के लिए हलफनामा दाखिल करना पड़ता है, जिससे देरी होती है।

भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

- भारत के स्वास्थ्य सेवा उद्योग में अस्पताल, चिकित्सा उपकरण, नैदानिक परीक्षण, आउटसोर्सिंग, टेलीमेडिसिन, चिकित्सा पर्यटन, स्वास्थ्य बीमा और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।
- **विकास चालक:** विस्तारित समायोजन, बेहतर सेवाओं और सार्वजनिक तथा निजी दोनों संस्थाओं द्वारा बढ़ते निवेश के कारण यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है।
    - बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियाँ, किफायती स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता, तकनीकी प्रगति, टेलीमेडिसिन, स्वास्थ्य बीमा पैठ, सरकारी पहल, कर लाभ और प्रोत्साहन बाजार को बढ़ावा दे रहे हैं।
- **टीकाकरण कार्यक्रम:** सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) का लक्ष्य वार्षिक 26.7 मिलियन नवजात शिशुओं और 29 मिलियन गर्भवती महिलाओं को टीका लगाना है, जो 12 रोकथाम योग्य बीमारियों के लिए मुफ्त में टीके प्रदान करता है।

- **अस्पताल क्षेत्र की वृद्धि:** वित्त वर्ष 2027 तक 18.24% की CAGR के साथ INR 18,348.78 बिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है।
- **टेलीमेडिसिन बाजार:** 31% CAGR से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2025 तक $5.4 बिलियन तक पहुँच जाएगा।
- **राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य रूपरेखा:** आगामी 10 वर्षों में $200 बिलियन से अधिक का आर्थिक मूल्य उत्पन्न कर सकता है।
- **आयुष्मान भारत योजना:** भारत में विश्व की सबसे बड़ी सरकारी समर्थित स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- **चिकित्सा शिक्षा निवेश:** 2014 से 157 नए मेडिकल कॉलेजों में 17,691.08 करोड़ रुपये का निवेश किया गया।
- **FDI नीति:** ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100% FDI की अनुमति है।
- **मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (MVT):** भारत MVT के लिए एक शीर्ष गंतव्य है, जो "हील इन इंडिया" पहल के तहत वैश्विक रोगियों को आकर्षित करता है।

Source : TH

भारत की अद्यतन राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति और कार्य योजना (NBSAP)

सन्दर्भ

- भारत ने जैव विविधता सम्मेलन (CBD) के सीओपी 16 में अद्यतन राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति और कार्य योजना (NBSAP) 2024-2030 का शुभारंभ किया।

NBSAP की प्रमुख विशेषताएं

- भारत ने राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्य (NBTs) स्थापित करने वाले कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे (KM-GBF) के साथ संरेखित करने के लिए NBSAP को अद्यतन किया है।
- इसमें जैव विविधता के लिए खतरों को कम करने, संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करने और कार्यान्वयन के लिए उपकरणों को बढ़ाने पर केंद्रित 23 राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों की रूपरेखा दी गई है।
    - प्रत्येक लक्ष्य पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलेपन, प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति और सतत प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशिष्ट रणनीतियों से जुड़ा हुआ है।
- **कार्यान्वयन:** MoEFCC भारत भर में जैव विविधता संरक्षण प्रयासों के समन्वय के लिए जिम्मेदार केंद्रीय एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

जैव विविधता पर कन्वेंशन (CBD)

- CBD संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) का एक भाग है, जो 1993 में अस्तित्व में आया।
    - इसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं- जैविक विविधता का संरक्षण, जैविक विविधता के घटकों का सतत उपयोग और लाभों का उचित और न्यायसंगत बंटवारा।

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा (GBF)

- GBF को 2022 में जैविक विविधता पर कन्वेंशन के लिए COP15 द्वारा अपनाया गया था।

- इसे "प्रकृति के लिए पेरिस समझौते" के रूप में प्रचारित किया गया है।
- GBF में 4 वैश्विक लक्ष्य और 23 लक्ष्य शामिल हैं।
  - 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले तेईस लक्ष्यों में आक्रामक प्रजातियों की शुरूआत को आधा करना और हानिकारक सब्सिडी में $500 बिलियन/वर्ष की कमी शामिल है।
  - "लक्ष्य 3" को विशेष रूप से "30X30" लक्ष्य के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- **'30X30' लक्ष्य**
  - इसके तहत, प्रतिनिधियों ने 2030 तक 30% भूमि और 30% तटीय और समुद्री क्षेत्रों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जो कि डील के सबसे उच्च-प्रोफ़ाइल लक्ष्य को पूरा करता है, जिसे 30X30 के रूप में जाना जाता है।
  - डील में दशक भर में 30% क्षरित भूमि और जल को पुनर्स्थापित करने की भी इच्छा है, जो कि पहले के लक्ष्य 20% से अधिक है।
  - साथ ही, विश्व बहुत सी प्रजातियों वाले बरकरार परिदृश्यों और क्षेत्रों को नष्ट होने से बचाने का प्रयास करेगी, जिससे उन हानियों को "2030 तक शून्य के करीब" लाया जा सके।

Cop 16 के प्रमुख परिणाम

- **कैली फंड:** यह एक बहुपक्षीय तंत्र है, जिसमें एक वैश्विक फंड भी शामिल है, जिसका उद्देश्य आनुवंशिक संसाधनों पर डिजिटल अनुक्रम सूचना (DSI) के उपयोग से होने वाले लाभों को अधिक निष्पक्ष और समान रूप से साझा करना है।
  - यह गैर-बाध्यकारी (स्वैच्छिक) होगा, जहां फर्मों से उनके लाभ का 1% या उनके राजस्व का 0.1% योगदान करने की अपेक्षा की जाती है।
- **स्वदेशी लोग और स्थानीय समुदाय:** एक नया कार्यक्रम अपनाया गया, जिसमें कन्वेंशन के तीन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों के सार्थक योगदान को सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट कार्य निर्धारित किए गए हैं।
- **सिंथेटिक जीवविज्ञान:** एक विशेषज्ञ समूह सिंथेटिक जीवविज्ञान के संभावित लाभों की पहचान करने में मार्गदर्शन करेगा और हाल के तकनीकी विकास के संभावित प्रभावों की समीक्षा करेगा।
- **आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ:** इसमें आक्रामक विदेशी प्रजातियों के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें ई-कॉमर्स, बहु-मापदंड विश्लेषण पद्धतियां और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई है।
- **जैव विविधता और स्वास्थ्य:** जैव विविधता और स्वास्थ्य पर एक वैश्विक कार्य योजना, जिसे जूनोटिक रोगों के उद्भव को रोकने तथा गैर-संचारी रोगों को रोकने में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह एक समग्र "एक स्वास्थ्य" दृष्टिकोण को अपनाता है।
- **जोखिम मूल्यांकन:** जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल के पक्षकारों ने इंजीनियर्ड जीन ड्राइव वाले जीवित संशोधित जीवों (LMOs) द्वारा उत्पन्न जोखिमों का आकलन करने के लिए नए, स्वैच्छिक मार्गदर्शन का स्वागत किया।
  - वे स्वैच्छिक प्रकृति के होते हैं, तथा अलग-अलग देश अपने पर्यावरण के विशिष्ट पारिस्थितिकीय चरों को ध्यान में रखते हुए, उन्हें राष्ट्रीय संदर्भों के अनुरूप बना सकते हैं।

Source: PIB

संक्षिप्त समाचार

बाल्फोर घोषणा

सन्दर्भ

- बाल्फोर घोषणा 107 वर्ष पहले 2 नवम्बर 1917 को की गयी थी।

बाल्फोर घोषणा

- यह एक पत्र था जिसे तत्कालीन ब्रिटिश विदेश सचिव बाल्फोर ने एंग्लो-यहूदी समुदाय के एक प्रमुख सदस्य लियोनेल वाल्टर रोथ्सचाइल्ड, ट्रिंग के दूसरे बैरन रोथ्सचाइल्ड को लिखा था।
- इसमें फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए एक राष्ट्रीय घर की स्थापना के लिए समर्थन व्यक्त किया गया था।
- इस घोषणा को 1948 में इजरायल के निर्माण की अगुवाई में एक महत्वपूर्ण क्षण के रूप में देखा जाता है।

बाल्फोर घोषणा के लिए अग्रणी कारक

- **ज़ायोनी आंदोलन:** ज़ायोनीवादियों का मानना था कि यूरोप में बढ़ते उत्पीड़न का सामना कर रहे यहूदी समुदाय तब तक सुरक्षित नहीं रहेंगे जब तक उनके पास अपना देश, अपनी मातृभूमि नहीं होगी।
    - इस प्रकार, ज़ायोनीवादियों ने इस लक्ष्य के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए विभिन्न नेताओं से संपर्क करना शुरू कर दिया।
- **मित्र राष्ट्रों के रणनीतिक हित:** इसने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश रणनीतिक हितों को दर्शाया, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस में यहूदियों से समर्थन जुटाना भी शामिल था।
- बाल्फोर घोषणा के निहितार्थों ने क्षेत्र में तनाव को बढ़ावा दिया और इज़राइल तथा फिलिस्तीन के बाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Source: IE

निंगोल चाक्कौबा

सन्दर्भ

- मणिपुर के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक निंगोल चक्कौबा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

परिचय

- यह त्यौहार पारंपरिक रूप से मणिपुरी कैलेंडर के हियांगेई महीने के दूसरे चंद्र दिवस पर मनाया जाता है और इसका इतिहास उस समय से शुरू होता है जब राजा नोंग्डा लैरेन पखांगबा मणिपुर में शासन करते थे।
- निंगोल का अर्थ है 'विवाहित महिला' और चाकोबा का अर्थ है 'भोज के लिए निमंत्रण'; इसलिए यह त्यौहार वह है जिसमें विवाहित महिलाओं को उनके माता-पिता के घर भोज के लिए आमंत्रित किया जाता है।

- यह निमंत्रण निंगोल के पैतृक परिवार के बेटे (बेटियों) की ओर से आता है, सामान्यतः एक सप्ताह पहले; यह एक परिवार के भाइयों और बहनों, बेटियों एवं माता-पिता के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है।
- पहले, यह त्यौहार मुख्य रूप से मैतेई लोगों द्वारा मनाया जाता था लेकिन आजकल कई अन्य समुदाय भी इसे मनाने लगे हैं।

Source: AIR

डिजिटल इंडिया कॉमन सर्विस सेंटर (DICSC) परियोजना

समाचार में

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने डिजिटल इंडिया कॉमन सर्विस सेंटर (DICSC) परियोजना शुरू करने की घोषणा की है।

परिचय

- परियोजना का उद्देश्य नागरिकों को सुलभ ई-गवर्नेंस, वित्तीय और वाणिज्यिक सेवाएँ प्रदान करके ग्रामीण भारत में डिजिटल विभाजन के अंतर को समाप्त करना है।
- प्रत्येक केंद्र आधार पंजीकरण, बैंकिंग और टेली-लॉ सहित आवश्यक सेवाओं के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करेगा, जो हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी तथा आधुनिक बुनियादी ढाँचे से लैस होगा।
- कार्यान्वयन का प्रबंधन कॉमन सर्विसेज सेंटर ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

Source: FE

तपेदिक के विरुद्ध लड़ाई में भारत की प्रगति

सन्दर्भ

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने TB के मामलों में कमी लाने में देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

परिचय

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत की प्रगति को मान्यता दी है, जिसमें 2015 से 2023 तक TB की घटनाओं में 17.7% की गिरावट दर्ज हुई है, जो वैश्विक गिरावट 8.3% से दोगुनी से भी अधिक है।
- सरकार ने प्रमुख पहल करके राष्ट्रीय TB उन्मूलन कार्यक्रम का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया है, जैसे:
  - TB रोगियों को आवश्यक पोषण सहायता प्रदान करने के लिए नि-क्षय पोषण योजना और बहुऔषधि प्रतिरोधी तपेदिक के लिए एक नवीन उपचार, BPALM आहार की शुरूआत।
- भारत का लक्ष्य 2025 तक तपेदिक (TB) को समाप्त करना है, जो 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच वर्ष पहले है।

Source: PIB

आयरन बीम

समाचार में

- इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि उच्च क्षमता वाली लेजर अवरोधन प्रणाली "आयरन बीम" एक वर्ष के अंदर चालू हो जाएगी।

परिचय

- **उद्देश्य:** उच्च शक्ति वाले लेजर का उपयोग करके ड्रोन और रॉकेट सहित प्रक्षेप्य को प्रभावहीन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **कार्यक्षमता:** आयरन बीम सैकड़ों मीटर से लेकर कई किलोमीटर दूर तक के खतरों को प्रकाश की गति से रोक सकता है। यह प्रति अवरोधन न्यूनतम लागत और कम संपार्श्विक क्षति के साथ संचालित होता है।
- **विकास:** राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम द्वारा निर्मित, यह इज़राइल की वर्तमान आयरन डोम प्रणाली का पूरक होगा और इसे एक व्यापक, बहुस्तरीय रक्षा रणनीति में एकीकृत किया जाएगा।
- **क्षमताएँ और सीमाएँ:** आयरन बीम छोटे, तेज़ गति से चलने वाले ड्रोन के विरुद्ध विशेष रूप से प्रभावी है, हालाँकि कोहरे या बारिश जैसी खराब मौसम की स्थिति में इसकी दक्षता कम हो जाती है।

Source: TOI

लाइका: पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला पहला जीवित प्राणी

सन्दर्भ

- 3 नवंबर को 67 वर्ष पूरे हो जाएंगे जब सोवियत संघ ने अपने स्पुतनिक 2 मिशन पर लाइका को पृथ्वी की कक्षा में भेजा था।

लाईका के बारे में:

- लाइका (बार्कर) एक सोवियत अंतरिक्ष कुत्ता था जो पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला पहला जीवित प्राणी बन गया।
- कुत्ते को उसके 'छोटे' आकार और 'शांत' व्यवहार के आधार पर कॉस्मोनॉट (सोवियत या रूसी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक अंतरिक्ष यात्री को संदर्भित करने वाला शब्द) के रूप में पदोन्नत किया गया था।
- चूंकि वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने की तकनीक अभी तक विकसित नहीं हुई थी, इसलिए लाइका के बचने की उम्मीद कभी नहीं की जा सकती थी। यह संभावना है कि कक्षा में पहुँचने के कुछ घंटों बाद हाइपरथर्मिया से उसकी मृत्यु हो गई।
- लाइका ने अंतरिक्ष के वातावरण में परिक्रमा करने वाले जीवित जीव के व्यवहार पर वैज्ञानिकों को पहला डेटा प्रदान किया। चार वर्ष पश्चात, यूरी गगारिन पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले इंसान बने।

स्पुतनिक 2 मिशन

- स्पुतनिक 2 को 3 नवंबर, 1957 को सैपवुड SS-6 8K71PS लॉन्च वाहन पर लॉन्च किया गया था।

- यह पृथ्वी की कक्षा में लॉन्च किया गया दूसरा अंतरिक्ष यान था और इस तरह का पहला जैविक अंतरिक्ष यान था। स्पुतनिक 2 पाँच महीने तक कक्षा में रहा।

Source: IE

बोत्सवाना

समाचार में

- श्री डुमा बोको बोत्सवाना के नए राष्ट्रपति चुने गए।

बोत्सवाना के बारे में

- यह एक स्थल-रुद्ध देश है, जिस पर भौगोलिक दृष्टि से कालाहारी रेगिस्तान का प्रभुत्व है।
- यह दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र में स्थित है और बोत्सवाना का लगभग दो-तिहाई हिस्सा उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है; यह मकर रेखा द्वारा दो भागों में विभाजित है।
- इसकी सीमा उत्तर-पूर्व में जाम्बिया तथा जिम्बाब्वे, उत्तर एवं पश्चिम में नामीबिया और दक्षिण व दक्षिण-पूर्व में दक्षिण अफ्रीका से लगती है।
- राजधानी शहर: गबोरोन
- बोत्सवाना की जलवायु अर्ध-शुष्क है, हालांकि यह वर्ष के अधिकांश समय उष्ण और शुष्क रहती है।
- बोत्सवाना का सबसे ऊँचा स्थान त्सोडिलो हिल्स है
- **प्रमुख नदियाँ:** महत्वपूर्ण नदियों में लिम्पोपो, ओकावांगो और शाशे शामिल हैं, जबकि मोलोपो नदी दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना के बीच भौगोलिक सीमा बनाती है।
- यह विश्व की सबसे बड़ी हाथी जनसंख्या का आवास है

Source : PIB

बिबेक देबरॉय

सन्दर्भ

- अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का निधन हो गया है।

परिचय

- वे 2015 में नीति आयोग के गठन से लेकर जून 2019 तक इसके पूर्णकालिक सदस्य थे।
- वे संस्कृत के विद्वान भी थे, जिन्होंने भगवद गीता, वेद, रामायण और महाभारत का अंग्रेजी में अनुवाद किया था।
- बिबेक देबरॉय समिति: 2014 से 2015 तक देबरॉय की अध्यक्षता में बनी इस समिति को रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड का पुनर्गठन करने तथा प्रमुख रेलवे परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने का कार्य सौंपा गया था।
- वे वित्त मंत्रालय की 'अमृत काल के लिए बुनियादी ढांचे के वर्गीकरण और वित्तपोषण ढांचे के लिए विशेषज्ञ समिति' के अध्यक्ष थे।
- देबरॉय को 2015 में पद्म श्री और 2016 में यूएस-इंडिया बिजनेस समिट द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

Source: IE

■■■■